गुरुवार, 21 फरवरी 2019 20

हिन्दुस्तान

रांची LIVE युवा

कंपनी सेक्रेटरी की अहमियत बहुत ज्यादा

रांची/नई दिल्ली | हिटी

करियर विकल्पों में कई ऐसे पेशे हैं, जिनकी अहमियत न सिर्फ आज भी बनी हुई है, बल्कि समय के साथ और ज्यादा बढ़ी है। कंपनी सेक्रेटरी का करियर भी ऐसे ही चुनिंदा विकल्पों में से एक है। कंपनी सेक्रेटरी का दायित्व मुख्य तौर पर कंपनी के समस्त रिकॉर्ड्स को मेंटेन करना और समयानुसार अधीनस्थ कर्मियों के माध्यम से उन्हें अपडेट करते रहना, प्रति वर्ष नियमानुसार समस्त सरकारी विभागों को कर की अदायगी सुनिश्चित करना, विभिन्न सरकारी नियमों के अनुसार मैनेजमेंट को नीतिगत निर्णय लेने में मदद करना आदि पर आधारित होता है।

आवश्यक कौशल और अभिरुचि

इस क्षेत्र में करियर बनाने के इच्छुक युवाओं से अपेक्षा की जाती है कि वे अनुशासनबद्ध और संगठित (ऑर्गनाइज्ड) हों। समय के महत्व को बखूबी समझते हों तथा दूसरों पर कम से कम निर्भर रहने में विश्वास रखते हों। कम्युनिकेशन स्किल्स बेहतरीन हो और सभी कर्मियों के साथ मैत्रीपूर्ण सम्बन्ध बना कर बिना भेदभाव के कार्यालय के काम लक्षित ढंग से पूरा करने की इच्छाशक्ति हो। विविध कार्यों में पारंगत हों। कंपनी के हित को सर्वोपरि समझते हों और संस्थान के प्रति पूरे निष्ठावान हों।

तीन चरणों में पूरा होता है पाठ्यक्रम

यह सम्पूर्ण पाठ्यक्रम तीन चरणों में पूरा किया जा सकता है। फाउंडेशन, एग्जीक्यूटिव प्रोग्राम और प्रोफेशनल प्रोग्राम। आठ माह के फाउंडेशन कोर्स में एडमिशन के लिए कम से कम बारहवीं पास होना जरूरी है। इसकी परीक्षा साल में दो बार यानी कि जून और दिसंबर माह में आयोजित की जाती है। किसी भी स्ट्रीम से न्यूनतम 50 प्रतिशत अंकों सहित ग्रेजुएट युवा (फाइन आर्ट्स को छोड़कर) सीधे एग्जिक्यूटिव प्रोग्राम में नामांकन करवा सकते हैं। इसे पूरा करने के बाद प्रोफेशनल प्रोग्राम में एडमिशन लिया जा सकता है। इसके बाद इंटर्नशिप पूरी करने की भी इस कोर्स में अनिवार्यता है। अधिक जानकारी के लिए संस्थान की वेबसाइट **www.icsi.edu** देखी जा सकती है।

यहां होते हैं कोर्स

देश में इंस्टीट्यूट ऑफ कंपनी सेक्रेटरीज ऑफ इंडिया ही इकलौता संस्थान है, जिसके द्वारा कंपनी सेक्रेटरीशिप के कोर्स का संचालन किया जाता है। इसका मुख्यालय नई दिल्ली में स्थित है और इसके क्षेत्रीय केंद्र मुंबई, कोलकाता और चेन्नई में हैं। देश भर में इसके 70 केंद्र कार्यरत हैं। संस्थान द्वारा कम्पनी सेक्रेटरीशिप के अलावा पूर्णकालिक इंटिग्रेटेड सीएस कोर्स भी संचालित किया जाता है। यही नहीं, जीएसटी, बैंकिंग कम्प्लायंस प्रोफेशनल कोर्स और वेल्यूएशन पर आधारित सर्टिफिकेट कोर्स भी चलाये जाते हैं। संस्थान का पता है- आईसीएसआई हाउस, 22 इंस्टीट्यूशनल एरिया, लोधी रोड, नई दिल्ली।

कोर्स के चार फाउंडेशन पेपर हैं, 50% नंबर अनिवार्य

सी एस फाउंडेशन के अंतर्गत कुल चार पेपर्स, बिजनेस एन्वायर्नमेंट एंड लॉ, बिजनेस मैनेजमेंट, एथिक्स एंड एंटरप्रिन्योरशिप, बिजनेस इकोनॉमिक्स तथा फंडामेंटल ऑफ अकाउंटिंग एंड ऑडिटिंग को पास करना होता है। एग्जिक्यूटिव प्रोग्राम में आठ पेपर्स पास करने की अनिवार्यता होती है। ये पेपर्स हैं- जूरिसप्रूडन्स, इन्टरप्रिटेशन एंड जनरल लॉ, कम्पनी लॉ, सेटिंग अप ऑफ बिजनेस, टैक्स लॉ, कॉर्पोरेट एंड मैनेजमेंट अकाउंटिंग, सिक्योरिटीज लॉ एंड कैपिटल मार्केट, इकोनॉमिक, बिजनेस एंड कमर्शियल लॉ, फाइनेंशियल एंड स्ट्रेटेजिक मैनेजमेंट।

प्रोफेशनल प्रोग्राम में कुल नौ पेपर को पास करना जरूरी

प्रोफेशनल प्रोग्राम के तहत कुल 9 पेपर्स को पास करना होता है। इनमें प्रमुख हैं- गवर्नेंस, रिस्क मैनेजमेंट, कम्प्लायंस एंड एथिक्स, एडवांस्ड टैक्स लॉ, ड्राफ्टिंग, प्लीडिंग एंड अपीयरेंस, सेक्रेटेरियल ऑडिट, कॉर्पोरेट रिस्ट्रक्चरिंग, रिजोल्यूशन ऑफ कॉर्पोरेट डिस्प्यूट, कॉर्पोरेट फंडिंग एंड लिस्टिंग इन स्टॉक एक्सचेंज, मल्टी डिसिप्लिनरी केस स्टडीज आदि पास होने के लिए प्रत्येक पेपर में न्यूनतम 40 प्रतिशत अंक तथा कुल मिलाकर कम से कम 50 प्रतिशत अंक होने अनिवार्य हैं।

ये हैं चुनौतियां

- विभिन्न प्रकार के बिजनेस और उनकी कार्यप्रणाली के अनुरूप स्वयं को समय-समय पर ढालना, इस व्यवसाय में सफल होने के लिए महत्वपूर्ण है।
- कंपनी प्रबंधन बोर्ड के सदस्यों के साथ समन्वयन और तालमेल बिठाना।
- कंपनी के शीर्ष-प्रबंधन की अपेक्षाओं को समझना और नतीजे देना।
- कंपनी के समस्त [illegible] को साथ लेकर चलने की जिम्मेदारी
- सरकारी एजेंसियों के अधिकारियों से समन्वयन, ताकि कंपनी के लिए किसी प्रकार की रुकावट की स्थिति न हो।